PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTE: हिन्दी काव्य

Course outcomes:

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना|

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास: भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य,नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य| भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण,भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार,निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद	12

	(रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति,प्रमुख कवि और उनका काव्य।	
II	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण,हिंदी नवजागरण,भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	आदिकालीन कवि : विद्यापति : (विद्यापति पदावली - संपा. :आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम - (36) गोरखनाथ : (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) अमीर खुसरो : (अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व :डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-ड़(4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86),05 दोहे - गोरी सोवे,खुसरो रैन,देख मैं,चकवा चकवी,सेज सूनी।	10
IV	भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास :(भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 41	11
V	भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर :	10

	(कबीरदास - संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20| ख- बिरह कौ अंग – 04, 10, 12, 20, 33 **मलिक मोहम्मद जायसी :** (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड (01से 06पद तक)	
VI	रीतिकालीन कवि: **केशवदास :** (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) - लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव – 1, 2, 4, 5 **बिहारीलाल :** (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे **घनानंद :** (घनानंद ग्रन्थावली-संपा.,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7	11
VII	आधुनिककालीन कवि : **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे **जयशंकर प्रसाद :**कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद, आंसू के प्रथम पांच पद **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :**वर दे वीणा वादिनि वर दे,तुलसीदास (प्रारंभ के दस पद),वह तोड़ती पत्थर **सुमित्रानंदन पन्त :**मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है **महादेवी वर्मा :**बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	12
VIII	(अ) छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोध : **अज्ञेय :**नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की	12

	मुक्तिबोध :विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुन :अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है धर्मवीर भारती :बोआई का गीत, कविता की मौत(दूसरा सप्तक, सम्पादक अज्ञेय) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्त्व	

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र,हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. सिंह, नामवरआधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ,2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961,तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य ,इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग,1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई,1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन,भारतीय ग्रन्थ निकेतन,नयी दिल्ली,1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी,1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर,साहित्य भवन लिमिटेड,इलाहाबाद,1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार,कबीर का रहस्यवाद,साहित्य भवन,इलाहाबाद,1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व,भारतीय ग्रन्थ निकेतन , दिल्ली,1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य,साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर,1965